

# सवा सौ करोड़ युवाओं को संगठन से जोड़ेगी जमीयत : मदनी

अमर उजाला व्यूरो

देवबंद (सहारनपुर)। जमीयत उलमा-ए-हिंद ने अपने पायलट प्रोजेक्ट जमीयत यूथ क्लब का परिचयात्मक कार्यक्रम व प्रदर्शन का आयोजन किया। जिसमें गुजरात, मेवात और पश्चिमी उत्तर प्रदेश से चयनित सौ छात्रों ने कला का प्रदर्शन किया।

मंगलवार को फिरदौस गार्डन में आयोजित कार्यक्रम में जमीयत उलमा-ए-हिंद के राष्ट्रीय महासचिव मौलाना सैयद महमूद मदनी ने जमीयत यूथ क्लब का परिचय पेश करते हुए अगले दस वर्षों में दुनियाभर से सवा सौ करोड़ युवकों को जोड़ने का एलान करते हुए कहा कि योजना के अनुसार अगले छह महीनों में दस हजार युवाओं



कार्यक्रम को संबोधित करते राष्ट्रीय महासचिव मौलाना महमूद मदनी।

को प्रशिक्षण देकर तैयार कर वर्ष 2019 में एक सार्वजनिक प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा।

देश के मौजूदा हालात में जिस तरह हर भोर्चे पर मुसलमानों को टारगेट किया जा रहा है, इससे युवाओं में निराशा, विश्वास का अभाव और खुद

की पहचान के गुम होने की भावना पैदा होने लगी है। इसलिए इस समय सबसे बड़ी जरूरत है कि मुसलमानों को इस गंभीर संकट से निकाला जाए और यह तभी संभव है जब मिल्लत का हर व्यक्ति एक दूसरे के सहयोगी बनें।

# सवा सौ करोड़ युवाओं को संगठन से जोड़ेगी जमीयत : मदनी

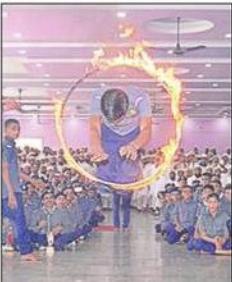
जमीयत उलमा-ए-हिंद के राष्ट्रीय महासचिव ने पायलट प्रोजेक्ट जमीयत यूथ क्लब का परिचयात्मक कार्यक्रम व प्रदर्शन का आयोजन किया। जिसमें गुजरात, मेवात और पर्सियाँ उत्तर प्रदेश से चयनित सौ छात्रों ने कला का शानदार प्रदर्शन किया।

अमर उजाला ब्लूरे

**देवबंद** (सहानपुर)। जमीयत उलमा-ए-हिंद ने अपने पायलट प्रोजेक्ट जमीयत यूथ क्लब का परिचयात्मक कार्यक्रम व प्रदर्शन का आयोजन किया। जिसमें गुजरात, मेवात और पर्सियाँ उत्तर प्रदेश से चयनित सौ छात्रों ने कला का शानदार प्रदर्शन किया।

मंगलवार को फिरदौस गार्डन में आयोजित कार्यक्रम में जमीयत उलमा-ए-हिंद के राष्ट्रीय महासचिव मौलाना सैयद महमूद मदनी ने जमीयत यूथ क्लब का परिचय पेश करते हुए अगले दस वर्षों में दुनियाभर से सवा सौ करोड़ युवाओं को जोड़ने का एलान करते हुए कहा कि योजना के अनुसार आगे छह महीनों में दस हजार युवाओं को प्रशिक्षण देकर तैयार कर वर्ष 2019 में एक सार्वजनिक प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह नकारात्मक नहीं बल्कि रखनावाक काम है। हमारा उद्देश्य ऐसे लोगों को तैयार करना है जो लोगों के रक्षक और सच्चे सेवक बन सकें तथा जरूरत पड़ने पर खुद की रक्षा कर सकें। आज मिल्लत सभासे आपरिक संकट से ज़्यादा रही है।

देश के मौजूदा हालात में जिस तरह हर मोर्चे पर मुसलमानों को टारोगेट किया जा रहा है, इससे युवाओं में निराशा, विश्वास का अभाव और खुद



हैरतअंगेज करतब दिखाते स्काउट गाइड। अमर उजाला



कार्यक्रम को संबोधित करते राष्ट्रीय महासचिव मौलाना महमूद मदनी।



स्काउट गाइड को सम्मानित करते मौलाना महमूद मदनी। अमर उजाला



मीनार बनाते स्काउट गाइड। अमर उजाला

आपरिजनक हथियारों का प्रदर्शन मौलाना महमूद मदनी ने हैरतअंगेज करते हैं। जिनका उद्देश्य दूसरों को डराना होता है। हम भी देश के कानून के दायरे में रहते हुए अपनी युवा शक्ति का खुलेआम प्रदर्शन करेंगे। इस दैरान

मौलाना

महमूद मदनी ने हैरतअंगेज करतब दिखाने वाले युवाओं को सम्मानित किया। अध्यक्षता मौलाना हसीब सिद्दीकी व संचालन मौलाना हकीमुद्दीनी

कासमी व नौशाद अली सिद्दीकी ने इसमानी, चौधरी सादिक, कारी इब्राहीम, मौलाना अजीमुल्लाह सिद्दीकी, मौलाना मेहजुददीन, याह्या करीमी, मौलाना अब्दुल्लाह पालनपुरी आदि मौजूद रहे।

‘जमीयत यूथ कलब’ परिचय एवं प्रदर्शन कार्यक्रम का देवबंद में आयोजन, युवाओं का शारीरिक प्रशिक्षण बेहद जल्दी: कारी उद्घान

# एसा के लिए युवाओं को तैयार करेगी जमीयत : मदनी

देवबंद | हजारे संवाददाता

जमीयत उलेमा ए हिंद के राष्ट्रीय महासचिव मौलाना महमूद मदनी ने कहा कि मौजूदा परिस्थितियों में देश का मुसलमान डरा और सहमा हुआ है। उन्होंने कहा कि जमीयत ने अपने पायलेट प्रोजेक्ट ‘जमीयत यूथ कलब’ के माध्यम से ऐसे प्रशिक्षित युवा तैयार करने का बीड़ा उठाया है। जो लोगों के सच्चे रक्षक होंगे और जरूरत पड़ने पर स्वयं रक्षा भी करेंगे।

मंगलवार को फिरदौस गार्डन में आयोजित हुए ‘जमीयत यूथ कलब’ परिचय एवं प्रदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मौलाना महमूद मदनी ने कहा कि जमीयत यूथ कलब का उद्देश्य नकारात्मक नहीं बल्कि रचनात्मक है। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य ऐसे लोगों को तैयार करना है जो लोगों के रक्षक



देवबंद जमीयत उलेमा-ए-हिन्द के कार्यक्रम की संबोधित करते मौलाना महमूद मदनी। और सच्चे देश सेवक बन सकें। साथ ही वक्त पड़ने पर स्वयं की रक्षा भी करने में सक्षम हों। मौलाना मदनी ने जमीयत यूथ कलब का परिचय करते हुए बताया कि जमीयत अभी तक पांच वर्षों से युवाओं

में मानसिक व शारीरिक प्रशिक्षण को मजबूत करने के लिए सबल करने के प्रयास किए जा रहे हैं। मौलाना महमूद मदनी ने बताया कि जमीयत और मदरसे के बच्चे शामिल हो सकेंगे।

छह महीनों में 10 हजार युवा होंगे प्रशिक्षित

देवबंद। जमीयत उलेमा ए हिंद के बैनर तले आयोजित हुए जमीयत यूथ कलब के परिचय एवं प्रदर्शन कार्यक्रम में देश के तीन राज्यों गुजरात, मेघालय और परियाम्ब उत्तर प्रदेश से चयनित सी छात्रों ने विभिन्न हैरतअंगेज कला का प्रदर्शन किया। जिन्हें मौलाना महमूद मदनी ने अपने हाथों से प्रतीक बिन्ह व प्रमाणपत्र भेंट कर सम्मानित किया। इस दौरान मौलाना मदनी ने घोषणा की कि अगले छह महीनों में दस हजार युवाओं को प्रशिक्षण देकर तैयार किया जाएगा, जिनका एक सार्वजनिक प्रदर्शन फरवरी 2019 में जमीयत द्वारा आयोजित किया जाएगा।

देखुकी है।

प्रशिक्षण के लिए भारत स्काउट एंड गाइड की मदद ली जा रही है, क्योंकि यही एकमात्र ऐसी संस्था है मानवता और समन्वयक राष्ट्रीय विधि सीख लाती है। उन्होंने बताया कि उनके समय में बुल्लुल उलूम देवबंद में एक पहलवान रखा जाता था जो बच्चों को शारीरिक व्यायाम कराया करता था। मौलाना ने कहा कि वर्तमान समय में देश के भीतर कुछ संगठन खुले आम आपत्तिजनक हाथियारों का प्रदर्शन करते हैं, जिनका उद्देश्य दूसरों को डराना होता है।

कार्यक्रम में जमीयत उलेमा हिंद के

नकारात्मक नहीं रचनात्मक है। हमारे प्रशिक्षित युवा कानून के दायरे में रहते हुए अपने युवा शक्ति का प्रदर्शन करेंगे। मास्टर हैरतुल्लाह सिंहीकी कहा कि भारत स्काउट एंड गाइड, जमीयत यूथ कलब और जमीयत उलेमा हिंद मिलकर देश और राष्ट्र की सेवा करने का काम करेंगे।

अध्यक्षता मौलाना हसीब सिंहीकी व संचालन मौलाना हकीमउद्दीन क्रासमी और नौशाद अली सिंहीकी ने संयुक्त रूप से किया। इस दौरान मौलाना अब्दुल्लाह पालनपूरी, मौलाना मोहम्मद याह्या, मौलाना मोहम्मद आकिल, मौलान मेराजुलीन, मौलाना कलीमुल्लाह, मौलाना मुफ्ती यामीन, हाफिज उबैदुल्लाह, मौलान मुहम्मद मदनी, मौलाना जहूर, जाहीन अहमद, मौलाना इब्राहीम क्रासमी, उमर उसमानी, चौधरी सादिक, मुफ्ती जाकिर समेत काफी संख्या में लोग मौजूद रहे।

# मुसलमानों को बनाया जा रहा निशाना : मदनी

देश व समाज सेवा को युवाओं से आगे आने का किया आह्वान,

के गठन पर हआ कार्यक्रम

**संस, देवबंद (सहारनपुर) :** जमीयत उलमा-ए-हिंद के राष्ट्रीय महासचिव मौलाना महमूद मदनी ने कहा कि देश में मुसलमानों को हर मोर्चे पर निशाना बनाया जा रहा है। इससे खासतौर पर युवाओं में निराशा और विश्वास का अभाव है। इस मुश्किल घड़ी में मुसलमान एक-दूसरे के सहयोगी बने। इस कार्य के लिए युवा आगे आएं।

मंगलवार को फिरदौस गार्डन में जमीयत यूथ क्लब के गठन के अवसर पर हुए कार्यक्रम में मौलाना महमूद मदनी ने कहा कि मुसलमानों को इतना मजबूत होना होगा कि कोई बाहरी ताकत उनका बाल बांका न कर सके। जमीयत यूथ क्लब का उद्देश्य ऐसे नागरिक तैयार करना है जो लोगों के रक्षक और सच्चे सेवक बन सकें। इसमें सहयोग के लिए देश के मान्यता प्राप्त संस्थान भारत स्काउट एंड गाइड का चयन किया गया है।

जमीयत के राष्ट्रीय अध्यक्ष कारी उस्मान मंसूरपुरी ने कहा कि युवाओं का शारीरिक प्रशिक्षण बहुत जरूरी है। मा. हिदायतुल्लाह सिंहीकी ने कहा कि भारत स्काउट गाइड, जमीयत यूथ क्लब और जमीयत उलमा-ए-हिंद मिलकर देश



कार्यक्रम को संबोधित करते मौलाना महमूद मदनी और मंचासीन अतिथि ● जागरण

**मदनी:** जमीयत उलमा-ए-हिंद के स्काउट गाइड ने अपनी कला का प्रदर्शन किया। अध्यक्षता मौलाना हसीब सिंहीकी व संचालन मौलाना हकीमुद्दीन कासमी ने किया। मौलाना अब्दुलाह पालनपुरी गुजरात, मौलाना मोहम्मद याह्या करीमी मेवात, मौलाना मुहम्मद मदनी, मौलाना जहूर, जहीन अहमद, मौलाना इब्राहीम कासमी, उमर उस्मानी, चौ. सादिक समेत गुजरात, मेवात और पश्चिम उत्तर प्रदेश के जमीयत पदाधिकारी मौजूद रहे।

सवा करोड़ युवा जोड़ने का लक्ष्य:

# दैनिक जनवानी

उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड

एक सकारात्मक सोच

५

दैनिक जनवाणी बुधवार, 25 जुलाई 2018

पृष्ठ ५

| www.janwani.in |

## सक्षम युवाओं की फौज तैयार करेगी जमीयत : मौलाना मदनी



कार्यक्रम के शास्त्रीयता करते हैं मौलाना मदनी।



कार्यक्रम में ट्रैनिंग अभ्यास करते हैं।



प्रशिक्षित बच्चे को प्रूफिल विज्ञ थोट करते हैं मौलाना मदनी।

### जमीयत युवा वर्ष कार्यक्रम

### एवं प्रदर्शन कार्यक्रम संपन्न

### युवाओं का शारीरिक प्रतिष्ठान बढ़ाव जरूरी

युवा शारीरिक वर्ष कार्यक्रम संपन्न हो गया। यह एक वर्षांनुसारी वर्ष कार्यक्रम है। इसके दौरान युवाओं को शारीरिक विशेषज्ञता दी जाती है। इसके दौरान युवाओं को विशेषज्ञता दी जाती है।

युवाओं को विशेषज्ञता दी जाती है। इसके दौरान युवाओं को विशेषज्ञता दी जाती है।

युवाओं को विशेषज्ञता दी जाती है। इसके दौरान युवाओं को विशेषज्ञता दी जाती है।

युवा शारीरिक और मानसिक रूप से सम्भाजी की बेहतर सेवा कर सकें। कहा कि जमीयत युवा बल में स्थल, घासी और मदर से के बच्चे द्वारा में स्थानित हो सकते हैं।

जमीयत युवा वर्ष कार्यक्रम के दौरान युवाओं को शारीरिक प्रशिक्षण का द्वारा दी जाती है। इसके दौरान युवाओं को विशेषज्ञता दी जाती है।

उद्योग नकारात्मक नहीं बना सकता है। इसमें प्रशिक्षित युवा कारबूझ के द्वारा में रहते हुए अपने दुआ के साथ हूँगा।

छह महीने में दस हजार युवा होंगे प्रशिक्षित करने का उद्देश्य है। इसके दौरान युवाओं को विशेषज्ञता दी जाती है।

कार्यक्रम का समाप्त करने उम्मीदवारों की उम्मीद है।

छह महीने में दस हजार युवा होंगे प्रशिक्षित

देखें। यह जमीयत युवा वर्ष के दौरान युवाओं के द्वारा दी जाती है। यह जमीयत युवा वर्ष के दौरान युवाओं के द्वारा दी जाती है। यह जमीयत युवा वर्ष के दौरान युवाओं के द्वारा दी जाती है। यह जमीयत युवा वर्ष के दौरान युवाओं के द्वारा दी जाती है।

युवाओं को विशेषज्ञता दी जाती है। इसके दौरान युवाओं को विशेषज्ञता दी जाती है।

# शाह टाइम्स

युवा शारीरिक व मानसिक रूप से समाज की कर सकते हैं सेवा: मदनी

तलाज स्कूल का परिणाम रहा उत्कृष्ट

## युवा शारीरिक व मानसिक रूप से समाज की कर सकते हैं सेवा: मदनी

शाह टाइम्स ब्लूरो

देवबन्द। युवा में मानसिक व शारीरिक प्रशिक्षण के लिए देश की मान्यता प्राप्त संस्था भारत स्काउट एंड गाइड की सहायता लि गई है। ताकि युवा शारीरिक और मानसिक रूप से समाज की बेहतर सेवा कर सकें।

जमीयत उलेमा ए हिंद के राष्ट्रीय महासचिव मौलाना महमूद मदनी ने फिरदौस गार्डन में आयोजित जमीयत यूथ क्लब परिचय एवं प्रदर्शन कार्यक्रम में उक्त विचार व्यक्त करते हुए कहा कि वर्तमान हालात में देश का मुसलमान विशेषकर युवा डरा सहमा हुआ है। इसलिए जमीयत ने अपने पायलेट प्रोजेक्ट जमीयत यूथ क्लब के माध्यम से ऐसे प्रशिक्षित युवा तैयार करने का बीड़ा उठाया है। जो लोगों के सच्चे रक्षक होने के साथ ही जरूरत पड़ने पर अपनी रक्षा भी कर सकेंगे। उन्होंने कहा की हमारा उद्देश्य ऐसे लोगों को तैयार करना है जो लोगों के रक्षक और सच्चे सेवक बन सकें और जरूरत पड़ने पर खुद की रक्षा भी करने में सक्षम हों। उन्होंने जमीयत यूथ क्लब का परिचय दराते हुए कहा की हम पिछले पांच वर्षों से युवा में मानसिक व शारीरिक प्रशिक्षण पर काम कर रहे हैं। आने गांच हजार छात्रों को प्रशिक्षण दिया है। इसके काम के लिए देश के मान्यता प्राप्त संस्थान भारत स्काउट एंड गाइड की मदद ली जा रही है। क्योंकि यह संस्था है मानव आधारित काम करती है और समन्वयक राष्ट्र विधि सीखलाती है, ताकि युवा शारीरिक और मानसिक रूप से समाज की बेहतर सेवा कर सकें। कहा कि जमीअत यूथ क्लब में स्कूल, कालज और मदरसे के बच्चे इसमें शामिल हो सकेंगे।

जमीयत उलेमा हिंद के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना कारी सैयद मोहम्मद उस्मान मंसूरपुरी ने कहा कि युवाओं



जमीयत उलेमा ए हिंद के बेनर तले आयोजित जमीयत यूथ क्लब के परिचय एवं प्रदर्शन कार्यक्रम में देश के तीन राज्यों गुजरात, मेवात और पश्चिमी उत्तर प्रदेश से चयनित सौ छात्रों ने विभिन्न हैरत अंगेज कला का प्रदर्शन किया। जिन्हें मौलाना महमूद मदनी ने अपने हाथों से प्रतीक चिन्ह व प्रमाण पत्र भेंट कर सम्मानित किया। इस दौरान मौलाना मदनी ने घोषणा की कि अगले छह महीनों में दस हजार युवाओं को प्रशिक्षण देकर तैयार किया जाएगा, जिनका एक सार्वजनिक प्रदर्शन फरवरी 2019 में जमीयत द्वारा आयोजित किया जाएगा।

का शारीरिक प्रशिक्षण बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि हमारे अकाबिर विशेषकर हजरत मौलाना हुसैन अहमद मदनी अंत उम्र तक मगदर चलाते थे।

उन्होंने बताया कि हमारे विद्यार्थी काल में दारुल उलूम देवबन्द में एक

पहलवान रखा जाता था जो बच्चों को शारीरिक व्यायाम करवाया करता था। मौलाना ने कहा कि वर्तमान समय में देश के भीतर कुछ संगठन खुले आम आपत्तिजनक हथियारों का प्रदर्शन करते हैं, जिनका उद्देश्य दूसरों को डराना होता है। लेकिन जमीयत यूथ

क्लब का उद्देश्य नकारात्मक नहीं रचनात्मक है। हमारे प्रशिक्षित युवा कानून के दायरे में रहते हुए अपने युवा शक्ति का प्रदर्शन करेंगे। मास्टर हिदायतुल्लाह सिद्दीकी कहा कि भारत स्काउट एंड गाइड, जमीअत यूथ क्लब और जमीअत उलेमा हिंद मिलकर देश और राष्ट्र की सेवा करने का काम करेंगे।

अध्यक्षता मौलाना हसीब सिद्दीकी व संचालन मौलाना हकीमउद्दीन कासमी व नौशाद अली सिद्दीकी ने संयुक्त रूप से किया। इस दौरान मौलाना अब्दुल्लाह पालनपूरी, मौलाना मोहम्मद याह्या, मौलाना मोहम्मद आकिल, मौलान मेराजुद्दीन, मौलाना कलीमुल्लाह, मौलाना मुफ्ती यामीन, हाफिज उबैदुल्लाह, मौलाना मुहम्मद मदनी, मौलाना जहूर, जहीन अहमद, मौलाना इब्राहीम कासमी, उमेर उस्मानी, चौधरी सादिक मुफ्ती जाकिर समेत काफी संख्या में लोग शामिल रहे। कार्यक्रम का समापन कारी उस्मान मंसूरपुरी को दुआ के साथ हुआ।



# مسلم نوجوانوں کے سنگین بحران سے نکالا جائے

جمعیت علماء ہند کے زیر اہتمام جمعیت یونیورسٹی کلب، تعارفی پروگرام و مظاہرہ کا انعقاد، مولانا محمود مدینی نے تعمیری قدم قرار دیا۔

میں شامل ہونے کا حق دار ہوں گے اور جو لوگ اسکول اور مدرسے میں نہیں ہیں ان کو تم ذراً بیکث بچپنا یوتحہ کلب میں شامل کریں گے۔ اس موقع پر مولانا عبدالقدوس پاں پوری گجرات، مولانا محمد سعیجی کریمی میوات اور مولانا محمد عاقل کیران نے بھی اپنی کارزاری پیش کی۔ ان کے علاوہ جو شخصیات ایچ پر جلوہ افروز تھیں ان میں مولانا حمزہ الدین احمد، مولانا کاظم اللہ فیض آبادی، مولانا عاصیہ خانی میں، مولانا عاقل گرجی دوالت، حافظ عبداللہ بن ارس وغیرہ کے نام قابل ذکر ہیں۔ مولانا حسیب صدقی نے اپنے صدارتی خطاب میں تمام شرکاء کا شکریہ ادا کیا۔ انھوں نے بالخصوص پروگرام کے کامیاب انتظام کے لیے مولانا سید محمد مدینی، مولانا ظہور احمد قادری، سید ڈاکٹر احمد مدینی اور مولانا ابرار ایم تاکی ویو ہدایت کلب اور پیش کی۔ اس موقع پر گجرات، میوات اور مغربی اتر پوری میں ایجاد کردہ کلب اور جمیع علماء کے مقامی و ریاستی ذمہ داران بھی موجود تھے۔ آج کے پروگرام میں قاری احمد عبدالله نے ترانہ پیش کیا، نظمات کفر انھیں مولانا حکیم الدین تقی کی اور توشاہ علی صدقی نے مشیر کر طور سے انجام دیے، بھل کا آغاز کا قاری محمد الجوب کی تلاوت سے کفر انھیں مولانا قاری محمد عاصیان مصروف پوری کی دعاء پر گرام انتظام پر ہوا۔



لوگوں کا دل جھیلتی، اپنے اندر جھپٹتی ہے، تاکہ جسمانی اور روحی طور سے بہتر طریقے سے خدمت انجام دیے کا شہریہ دیکھا جائے۔ ایمانداری، غمگشی اور دروسوں کی مدد کا دادیمانی کے لئے یہ وقت کی سب سے پہنچ رہا ہے۔ اس لیے یہ وقت کی سب سے بڑی ضرورت ہے کہ مسلمانوں کو اس تکمیلی اعلیٰ انھوں نے کہا کہ یہ مخفی نہیں بلکہ قیمتی بحران سے نکالا جائے۔ یہ اسی وقت تکمیل ہے۔ مولانا مدنی نے کہا کہ ہم بچپنے پاٹی سالوں سے نوجوانوں کی ذاتی و جسمانی تربیت پر کام کر رہے ہیں، ہم نے پاچ ہزار طلباء کی اسکول اور مدرسے کے علاوہ دروسے لوگ بھی کر رہے ہیں۔ اس کے لیے ملک کا تسلیم دوسروں سے ملک ہو جائے وہ اتنا مشبوط ہو جائے کہ کوئی بھی خارجی بحران کا باال بیکار کر سکے۔ انھوں نے کہا کہ عزت حاصل کیا ہے، یہ ایسا علم ہے جو انسانی بیان پر کام تین درجوں کی تربیت کے بعد خادم ملت کرتا ہے، یہ کوارڈی نیشن کا طریقہ کھلاحتا ہے کہ آپ

**وسيم عنصري**

آج یہاں دیوبند کے فردوس گارڈن میں جمعیت علماء ہند کے زیر اہتمام جمعیت یوتحہ کلب تعارفی پروگرام و مظاہرہ منعقد ہوا، جس کی سرپرست ایم ایم ایڈن مولانا تاقریبی سید محمد عاصیان مصروف پوری اور صدارت مولانا حسیب صدیقی خازن جمعیت علماء ہند نے فرمائی۔ اس موقع پر جمعیت علماء ہند کے جریل سکریئری مولانا محمد عاصیان نے نوجوانوں کو جوائز کے لیے اپنے پالیسی پروجیکٹ جمعیت یوتحہ کلب کا تعارف اور خاکہ پیش کیا۔ دریں اثنیں ریاستوں گجرات، میوات اور مغربی اتر پوری میں ایضاً مخفی ۹۶ طلبانے اپنے فن کا بھی مظاہرہ کیا۔ مولانا محمد عاصیان نے اعلان کیا کہ موجودہ پانچ کے مطابق اگلے چھ ماہ میں دس ہزار نوجوانوں کو تربیت دے کر تیار کیا جائے گا جو فروری 2019ء میں عوامی طور پر اپنی نمائش پیش کریں گے۔ مولانا مدنی نے اس موقع پر یوتحہ کلب کے مقاصد پر بھی روشنی ڈالی، انھوں نے کہا کہ یہ مخفی نہیں بلکہ قیمتی قدم ہے، ہمارا مقصد یہ اسکو لوگوں کو تیار کرنا ہے جو قوم کے پیچے خادم ہیں اور ضرورت پڑنے پر خود کی خاکست کے الٹا بابت ہوں۔ مولانا مدنی نے کہا کہ آج امت سب سے زیادہ داخلی بحران کی شکار ہے، ملک کے موجودہ

# اودھ ناما

روزنامہ

## a v a d " " a m a

ر ۲۵ جولائی ۲۰۱۸ مطابق ۱۱ ذی القعده ۱۴۳۹ھ

# آج امت مسلمہ سب سے زیادہ داخلی بحران کا شکار ہے: مولانا محمود مدینی



نہیں تھیں ان کو ہم ذرا سرکرت ہجیہ یقین کلب میں

دینے کا خرچ دیا کیا جائے۔

مولانا مدینی نے جیہیہ علماء ہند کے صدر امیر احمد

شاہل کر کر گئے۔

اس موقع پر جیہیہ علماء ہند کے صدر امیر احمد

مولانا قمری سید محمد حنفیہ مصود پوری نے کہا کہ

نوجوانوں کی ایک کامیاب بنائیں

اور جیہیہ یقین کلب کے پارے میں بتایا

قرآن مجید میں الشاعر نے کہا وہ درسے لوگ بھی

بھاولت علیہ السلام کے باہم اپنے نامے کا ذکر کیا ہے،

شامل ہو گئیں گے، تاہم اسکو اور درسے کے

ذکر کرنے کا خرچ کو منع کر دیا گیا ہے،

وہیں جسم اور علم کو فضیلت اور باہمیت کا ذکر کے

وقایہ ہے۔ نوجوانوں نے کہا کہ تاریخ اکابر

تھیں بلکہ تعمیری قدم ہے، تاریخ اسلام شدہ اور اور

تاریخ کتابت کے قابل تاثیر ہے۔ مولانا

علیٰ میں وارا حرام دیوبند میں ایک پہلوان رکھا

جانا تھا جو لوگوں کو جسمانی دریش کرواتا تھا۔ انھوں

نے کہا کہ آج کے حالات میں پکھ جانماں کلکے

عام ہجتیں مسلموں کی نمائش کرتی ہیں، جن کا مقصد

دوسروں کو مرغوب کرنا ہوتا ہے۔ تم بھی ملک کے

قانون کے وارہ میں رستے ہوئے اپنے

نوجوانوں کی ایاقت کا کلکے ملامٹا ہبہ کریں گے؟

ازیں قل اپنے انتہائی خطاب میں مولانا حکیم

الدین قاسمی سکریٹری ہمیہ علماء ہند نے جیہیہ علماء ہند

میں تمام شرکا کا اکٹھیریا کیا۔ نوجوانوں نے بالخصوص

کس تحدیت کی روشنی میں اس شان کا تعارف کر لیا

اور کہا کہ یہ حضرت ناگم عزیز ہمیہ علماء ہند کا پایہت

پروگرام کے کامیاب تھام کے لیے مولانا سید محمد

مدینی مولانا تاجورہ الحنفی، یہودی قلنی الحمدانی اور

مولانا ابراهیم قاسمی و مولانا علی و مولانا علی اور

مولانا علی نے جیہیہ علماء ہند کے ذمہ

بدھتیں بیڑی سے اگے بڑھا ہے۔

کی۔ اس موقع پر گجرات، میوات اور مغربی

اتر پردیش سے جیہیہ یقین کلب اور جیہیہ علماء کے

مقامی دریافتی مدارس میں اپنے ایجادے آج کے

پروگرام میں قاری الحمد عبید اللہ نے ترانہ پیش کیا

اور جیہیہ یقین کلب پر روشی ذاتی ہوئے کہا کہ

بھارت اسکا اٹ ایجاد کیا گیا۔ جیہیہ یقین کلب اور

تھام کے فراخ میں مولانا حکیم الدین قاسمی اور

نوشتوں کی طرف میں اس تھام کے قریب اور جیہیہ یقین کلب کے

وابستہ ہوں گے اور اخلاقیہ ہمینہ میں تین دنیوں کی

نوادری (۳) یعنی نویں کا طریقہ سکھاتا ہے، تاکہ جسمانی

فن دیکھنے کے بعد مولانا مدینی نے اپنے ناجام

پروگرام اختتم پذیر ہوا۔

دیوبند 24 جولائی (لی این ایس) دیوبند

کے فردوں گارڈن میں جیہیہ علماء ہند کے زیر

گم ہونے کا احساس پہنچتا ہے۔ اس لیے یہ

وقت کی سب سے بڑی ضرورت ہے کہ مسلمانوں کو

اس علیین بحران سے کلا جائے۔ یا اسی وقت میں

بھی خارجی علماء ہند فرمائی۔ اس موقع

ہن جائے اور مکان کی ایسکی طرح ایک درسے کا معاون

پر جیہیہ علماء ہند کے ہر کسی مسجد و مساجد میں

نے نوجوانوں کو جو نہ کے لیے اپنے پاہمیت

بھی خارجی بحران اس کا باہل پہنچ کر کے انہوں

پر جیہیہ یقین کلب کا تعارف اور غارک میں

کیا۔ دریں اشامیں ریاستوں کی مدد کا معی پیدا

مفری اپریشن سے مخفی ۹۶ ملٹری طبلائی اپنے فن کا

بھی مظاہر کیا۔ مولانا محمود مدینی نے اخان کیا کہ

کریں گے کسی قوم میں پیدا ہو جائے تو یہ اس کی

موجودہ بیان کے مطابق اگلے چھ ماہ میں وہ ہر ایک

نوجوانوں کو تربیت کے کیا کر جائے گا جو فروری

2019ء میں عالمی طریقہ سکھاتا ہے۔ وہیں کریں گے

مولانا مدینی نے کہا کہ ہر چھٹپتی سالیں

کے نوجوانوں کی ذوقی روشی ذائقی، انہوں نے کہا کہ یقین

کے متصاد پر بھی روشنی ذائقی، انہوں نے کہا کہ یقین

نہیں بلکہ تعمیری قدم ہے، تاریخ اسلام شدہ اور اسے

تیار کرنے والے جو قوم کے پیچے نہیں ہیں اور ضرورت

پڑنے پر فوکی خلافت کے مسائل تاثیر ہوں۔ مولانا

کوارڈی نیشن کا طریقہ سکھاتا ہے، تاکہ جسمانی

اوڑا ہتھیار کی آج امت سب سے زیادہ وطنی

اور ڈاٹنی طریقے سے موجودہ حالات میں



# ہم قانون کے دائرہ میں رہتے ہوئے اپنے نوجوانوں کی لیاقت کا کھلے عام مظاہرہ کریں گے؟

ہمارا مقصد ایسے لوگوں کو تیار کرنا ہے جو قوم کے سچے خادم بنیں، اگلے چھ ماہ میں دس ہزار نوجوانوں کو تربیت دے کر تیار کیا جائے گا جمیعۃ علماء ہند کے زیر اہتمام جمیعۃ یوتھ کلب، تعارفی پروگرام میں مولانا سید محمود مدینی کاظہ رخیال، طلباء نے اپنے فن کاشاندار مظاہرہ کیا

جو لوگ اسکول اور مدرسے میں نہیں ہیں ان کو ہم ڈائریکٹ جمیعۃ یوتھ کلب میں شامل کریں گے۔ اس موقع پر جمیعۃ علماء ہند کے صدر امیر الہند مولانا قاری سید محمد عثمان منصور پوری نے کہا کہ نوجوانوں کی جسمانی تربیت بہت ضروری ہے۔ قرآن مجید میں اللہ تعالیٰ نے جہاں حضرت طالوت علیہ السلام کے بادشاہ بنانے کا ذکر کیا ہے، وہیں جسم اور علم کو فضیلت اور بادشاہت کا سبب قرار دیا ہے۔ انہوں نے کہا کہ ہمارے اکابر بالخصوص حضرت شیخ الاسلام مولانا حسین احمد مدنی آخر عمر تک مگر چلاتے تھے، ہمارے زمانہ طالب علمی میں دارالعلوم دیوبند میں ایک پہلوان رکھا جاتا تھا جو لڑکوں کو منتظر ۹۶ طلباء نے اپنے فن کا بھی مظاہرہ کیا۔ مولانا محمود مدینی نے اعلان کیا کہ موجودہ پلان کے مطابق اگلے چھ ماہ میں دس ہزار نوجوانوں کو تربیت دے کر تیار کیا جائے گا جو فروری ۲۰۱۹ء میں عوامی طور پر اپنی نمائش پیش کریں گے۔ مولانا مدنی نے اس موقع پر یوتھ کلب کے مقاصد پر بھی روشنی ڈالی، انہوں نے کہا کہ یہ منفی نہیں بلکہ تعمیری قدم ہے، ہمارا مقصد ایسے لوگوں کو تیار کرنا ہے جو قوم کے سچے خادم بنیں اور ضرورت پڑنے پر خود کی حفاظت کے اہل ثابت ہوں۔ مولانا مدنی نے کہا کہ آج امت سب سے زیادہ داخلی بحران کی شکار ہے، ملک کے موجودہ حالات میں جس طرح مسلمانوں کو تاریکیت کیا جا رہا ہے، اس سے نوجوانوں میں مایوسی، مرعوبیت اور اپنی شاختگم ہونے کا احساس پنپ رہا ہے۔ اس لیے یہ وقت کی سب سے بڑی ضرورت ہے کہ مسلمانوں کو اس عکیں بحران سے نکالا جائے۔ یہ اسی وقت ممکن ہے جب کہ امت کا ہر فرد ایک دوسرے کام معاون بن جائے اور مکان کی ایسٹ کی طرح ایک دوسرے سے ملک ہو جائے، وہ اتنا مضبوط ہو جائے کہ کوئی بھی خارجی بحران اس کا باہ بیکانہ کر سکے۔ انہوں نے کہا کہ عزت حاصل کرنے کا ایک کامیاب نہیں یہ سے کہ آپ لوگوں کا دل جیتیں، اپنے اندر سچائی، ایمانداری، غم گساری اور دوسروں کی مدد کا داعیہ پیدا کریں۔ اگر کسی قوم میں یہ پیدا ہو جائے تو یہ اس کی بقاوار برلنی کی صفائحہ ہے۔ مولانا مدنی نے کہا کہ ہم پچھلے پانچ سالوں سے نوجوانوں کی ذہنی وجسمانی تربیت پر کام کر رہے ہیں، ہم نے پانچ ہزار طلباء کی تربیت کرائی ہے۔ اس کے لیے ملک کا تسلیم شدہ تمام شرکاء کا شکریہ ادا کیا۔ انہوں نے بالخصوص پروگرام کے کامیاب انتظام کے لیے مولانا سید محمد مدینی، مولانا ظہور احمد قاسمی، سید ذہین احمد مدینی اور مولانا ابرائیم قاسمی و دیگر حضرات کو مبارک باد پیش کی۔ اس موقع پر گجرات، میوات اور مغربی اتر پردیش سے جمیعۃ یوتھ کلب اور جمیعۃ علماء کے مقامی و ریاستی ذمہ داران بھی موجود تھے۔ آج کے پروگرام میں قاری احمد عبداللہ نے ترانہ پیش کیا، نظامت کے فرائض مولانا حکیم الدین کامیاب بنائیں۔ انہوں نے جمیعۃ یوتھ کلب کے بارے میں بتایا کہ اسکول اور مدرسے کے علاوہ دوسرے لوگ بھی شامل ہو سکیں گے، تاہم اسکول اور مدرسے کے پچ ڈائریکٹ بھارت اسکاؤٹ اینڈ گائیڈ سے وابستہ ہوں گے اور انہارہ مہینے میں تین درجوں کی تربیت کے بعد 'خادم ملت' میں شامل ہونے کا حق دار ہوں گے اور



دیوبند۔ ۲۳ جولائی: (رضوان سلمانی) آج یہاں دیوبند کے فروعوں گارڈن میں جمیعۃ علماء ہند کے زیر اہتمام جمیعۃ یوتھ کلب تعارفی پروگرام و مظاہرہ منعقد ہوا، جس کی سرپرستی امیر الہند مولانا قاری سید محمد عثمان منصور پوری اور صدر امیر ہند مولانا حسیب صدیقی خازن جمیعۃ علماء ہند نے فرمائی۔ اس موقع پر جمیعۃ علماء ہند کے جزوں سکریٹری مولانا محمود مدینی نے نوجوانوں کو جوڑنے کے لیے اپنے پانیلیکٹ پروجیکٹ جمیعۃ یوتھ کلب کا تعارف اور خاکہ پیش کیا۔ دریں اتنا تین ریاستوں گجرات، میوات اور مغربی اتر پردیش سے

جو لوگ اسکول اور مدرسے میں نہیں ہیں ان کو ہم ڈائریکٹ جمیعۃ یوتھ کلب میں شامل کریں گے۔ اس موقع پر جمیعۃ علماء ہند کے صدر امیر ہند مولانا قاری سید محمد عثمان منصور پوری نے کہا کہ نوجوانوں کی جسمانی تربیت بہت ضروری ہے۔ قرآن مجید میں اللہ تعالیٰ نے جہاں حضرت طالوت علیہ السلام کے بادشاہ بنانے کا ذکر کیا ہے، وہیں جسم اور علم کو فضیلت اور بادشاہت کا سبب قرار دیا ہے۔ انہوں نے کہا کہ ہمارے اکابر بالخصوص حضرت شیخ الاسلام مولانا حسین احمد مدنی آخر عمر تک مگر چلاتے تھے، ہمارے زمانہ طالب علمی میں دارالعلوم دیوبند میں ایک پہلوان رکھا جاتا تھا جو لڑکوں کو منتظر ۹۶ طلباء نے اپنے فن کا بھی مظاہرہ کیا۔ مولانا محمود مدینی نے اعلان کیا کہ موجودہ پلان کے مطابق اگلے چھ ماہ میں دس ہزار نوجوانوں کو تربیت دے کر تیار کیا جائے گا جو فروری ۲۰۱۹ء میں عوامی طور پر اپنی نمائش پیش کریں گے۔ مولانا مدنی نے اس موقع پر یوتھ کلب کے مقاصد پر بھی روشنی ڈالی، انہوں نے کہا کہ یہ منفی نہیں بلکہ تعمیری قدم ہے، ہمارا مقصد ایسے لوگوں کو تیار کرنا ہے جو قوم کے سچے خادم بنیں اور ضرورت پڑنے پر خود کی حفاظت کے اہل ثابت ہوں۔ مولانا مدنی نے کہا کہ آج امت سب سے زیادہ داخلی بحران کی شکار ہے، ملک کے موجودہ حالات میں جس طرح مسلمانوں کو تاریکیت کیا جا رہا ہے، اس سے نوجوانوں میں مایوسی، مرعوبیت اور اپنی شاختگم ہونے کا احساس پنپ رہا ہے۔ اس لیے یہ وقت کی سب سے بڑی ضرورت ہے کہ مسلمانوں کو اس عکیں بحران سے نکالا جائے۔ یہ اسی وقت ممکن ہے جب کہ امت کا ہر فرد ایک دوسرے کام معاون بن جائے اور مکان کی ایسٹ کی طرح ایک دوسرے سے ملک ہو جائے، وہ اتنا مضبوط ہو جائے کہ کوئی بھی خارجی بحران اس کا باہ بیکانہ کر سکے۔ انہوں نے کہا کہ عزت حاصل کرنے کا ایک کامیاب نہیں یہ سے کہ آپ لوگوں کا دل جیتیں، اپنے اندر سچائی، ایمانداری، غم گساری اور دوسروں کی مدد کا داعیہ پیدا کریں۔ اگر کسی قوم میں یہ پیدا ہو جائے تو یہ اس کی بقاوار برلنی کی صفائحہ ہے۔ مولانا مدنی نے کہا کہ ہم پچھلے پانچ سالوں سے نوجوانوں کی ذہنی وجسمانی تربیت پر کام کر رہے ہیں، ہم نے پانچ ہزار طلباء کی تربیت کرائی ہے۔ اس کے لیے ملک کا تسلیم شدہ تمام شرکاء کا شکریہ ادا کیا۔ انہوں نے بالخصوص پروگرام کے کامیاب انتظام کے لیے مولانا سید محمد مدینی، مولانا ظہور احمد قاسمی، سید ذہین احمد مدینی اور مولانا ابراہیم قاسمی و دیگر حضرات کو مبارک باد پیش کی۔ اس موقع پر گجرات، میوات اور مغربی اتر پردیش سے جمیعۃ یوتھ کلب اور جمیعۃ علماء کے مقامی و ریاستی ذمہ داران بھی موجود تھے۔ آج کے پروگرام میں قاری احمد عبداللہ نے ترانہ پیش کیا، نظامت کے فرائض مولانا حکیم الدین کامیاب بنائیں۔ انہوں نے جمیعۃ یوتھ کلب کے بارے میں بتایا کہ اسکول اور مدرسے کے علاوہ دوسرے لوگ بھی شامل ہو سکیں گے، تاہم اسکول اور مدرسے کے پچ ڈائریکٹ بھارت اسکاؤٹ اینڈ گائیڈ سے وابستہ ہوں گے اور انہارہ مہینے میں تین درجوں کی تربیت کے بعد 'خادم ملت' میں شامل ہونے کا حق دار ہوں گے اور



اسماں عالی و احباب (جہاں) اسراز کھلے کرستے اسراز (جہاں) جو کئے اسے  
بیٹھ کردا ہے اپنے  
(جی) انہوں سب سب (جہاں)، اور باتیں باتیں میں اسراز کو اسراز کو اسراز کو  
اکثر جاندے ہیں اسراز کو  
سے اپنے (جاہاں) بیلی پر بچ پلی پلی

جان ناز کی اندھا جاڑے سے بنے نو (اقبال)

HUM AAP

# ہماں



# جمعیت یو ٹھ کلب منفی نہیں بلکہ تعمیری قدم۔ مولانا محمود مدینی

میں کچھ جماعتیں کھلے عام آتشیں اسلحوں کی نمائش کلب کے بارے میں بتایا کہ اسکول اور مدرسے کے علاوہ دوسرے لوگ بھی شامل ہو سکیں گے، تاہم اسکول کرتی ہیں، جن کا مقصد دوسروں کو مرعوب کرنا ہوتا ہے۔ ہم بھی ملک کے قانون کے دائرہ میں رہتے ہوئے اپنے نوجوانوں کی لیاقت کا کھلے عام مظاہرہ کریں گے؟ ازیں قبل اپنے افتتاحی خطاب میں مولانا حکیم الدین قاسمی سکریٹری جمعے؟ علماء ہند نے جمعے؟ علماء ہند نے جمعے؟ علماء ہند کے دستور و تاریخ کی روشنی میں اس مشن کا شامیں ہیں ان کو ہم ڈائریکٹ جمعے؟ یو ٹھ کلب میں شامل کریں گے۔ اس موقع پر جمعیت؟ علماء ہند کے صدر امیر الہند مولانا قاری سید محمد عثمان منصور پوری نے کہا کچھلے پانچ سالوں سے نوجوانوں کی ذہنی و جسمانی تربیت پر کام کر رہے ہیں، ہم نے پانچ ہزار طلباء کی تربیت کرائی ہے۔ اس کے لیے ملک کا تسلیم شدہ ادارہ پنجابی بیانیاد پر کام کرتا ہے، یہ کوارڈی نیشن کا شاخت گم ہونے کا احساس پنپ رہا ہے۔ اس لیے یہ وقت کی سب سے بڑی ضرورت ہے کہ مسلمانوں کو اس غمین بحران سے نکالا جائے۔ یہ اسی وقت ممکن ہے جب کہ امت کا ہر فرد ایک دوسرے کا معاون بن جائے اور مکان کی اینٹ کی طرح ایک دوسرے سے چلاتے تھے، ہمارے زمان طالب علمی میں دارالعلوم (۳) ڈیپوئی ٹویلیف پر روشی ڈالی۔ پھول کافیں دیکھنے کے بعد مولانا مدنی نے اپنے بھائوں سے ان کو شیلہ اور سرٹیکٹ سے نوازا۔



پچھلے پانچ سالوں سے نوجوانوں کی ذہنی و جسمانی تربیت پر کام کر رہے ہیں، ہم نے پانچ ہزار طلباء کی تربیت کرائی ہے۔ اس کے لیے ملک کا تسلیم شدہ ادارہ پنجابی بیانیاد پر کام کرتا ہے، یہ ایسا ستم بھارت اسکا کوت ایڈنگ کا یونیورسٹی کو اختیار کیا ہے، یہ ایسا ستم ہے جو انسانی بنیاد پر کام کرتا ہے، یہ کوارڈی نیشن کا طریقہ سکھلاتا ہے، تاکہ جسمانی اور روحی طور سے بہتر طریقے سے خدمت انجام دینے کا ہنر پیدا کیا جائے۔ مولانا مدنی نے جمعیت؟ علماء ہند کے دوسروں سے کہا کہ بلا تردد اس کام میں لگ جائیں اور ہمارے شلک ہو جائے، وہ اتنا مضبوط ہو جائے کہ کوئی بھی خارجی بحران اس کا باہمیکانہ مولانا مدنی نے کہا کہ ہم



**جمعیت علماء ہند کے زیر اہتمام جمعیت یو تھکلب تعارفی پروگرام و مظاہرہ کا انعقاد  
 مولانا محمود مدینی نے کہا: منصوبہ کے مطابق اگلے چھ ماہ میں دس ہزار نوجوانوں کو تربیت دے کر تیار کیا جائے گا**



**مولانا محمود مدینی پروگرام سے خطاب کرتے ہوئے (تصویر: انقلاب)**

نوجوانوں کی لیاقت کا کھلے عام مظاہرہ کریں گے؟ اسکے علاوہ مولانا حکیم الدین قاسمی سکریٹری جمعیت علماء ہند نے بھی مختصر خطاب کیا۔ قبل از اس موقع پر جمعیت علماء ہند کے صدر مولانا قاری سید محمد عثمان منصور پوری نے کہا کہ نوجوانوں کی بھی کریمی میوات اور مولانا محمد عاقل کیرانہ نے بھی اپنی کارگزاری پیش کی۔ مولانا حسیب صدیقی نے اپنے صدارتی خطاب میں تمام شرکاء کا شکریہ ادا کیا۔ انہوں نے بالخصوص پروگرام کے کامیاب انتظام کے لیے مولانا سید محمد مدینی، مولانا ظہور احمد قاسمی، سید ذہین احمد مدینی اور مولانا ابراہیم قاسمی و دیگر حضرات کو مبارک باد پیش کی۔ پروگرام میں مولانا معز الدین احمد، مولانا کلیم اللہ فیض آبادی، مولانا مفتی بنیامین، مولانا عاقل گڑھی دولت، حافظ عبد اللہ بن ارس کے علاوہ گجرات، میوات اور مغربی اتر پردیش سے جمعیت یو تھکلب اور جمعیت علماء کے مقامی و ریاستی ذمہ داران بھی موجود ہے۔ مولانا قاری محمد عثمان منصور پوری کی دعاء پر پروگرام اختتام پذیر ہوا۔

دیوبند (فیروز خان) دیوبند میں جمعیت علماء ہند کے زیر اہتمام جمعیت یو تھکلب تعارفی پروگرام و مظاہرہ منعقد ہوا، جس کی سرپرستی مولانا قاری سید محمد عثمان منصور پوری اور صدارت جمعیت علماء ہند کے خازن مولانا حسیب صدیقی نے کی۔ پروگرام کا افتتاح قاری احمد عبداللہ کے ترانہ سے ہوا، اور نظمت مولانا حکیم الدین قاسمی اور نوشاد علی صدیقی نے مشترک طور پر کی۔ اس موقع پر جمعیت علماء ہند کے جزل سکریٹری مولانا محمود مدینی نے نوجوانوں کے لیے اپنے پامیلت پروجیکٹ جمعیت یو تھکلب کا تعارف اور خاکہ چیزیں کیا۔ دریں اتنا تین ریاستوں گجرات، میوات اور مغربی اتر پردیش سے منتخب ۹۶ طلباء نے اپنے فن کا بھی مظاہرہ کیا۔ اس دوران مولانا محمود مدینی نے اعلان کیا کہ موجودہ پلان کے مطابق اگلے چھ ماہ میں دس ہزار نوجوانوں کو تربیت دے کر تیار کیا جائے گا جو فروری ۲۰۱۹ء میں عوامی طور پر اپنی نمائش پیش کریں گے۔ مولانا مدینی نے کہا کہ یہ مخفی نہیں بلکہ تعمیری قدم ہے، ہمارا مقصد ایسے نوجوانوں کو تیار کرنا ہے جو قوم کے سچے خادم بنیں اور ضرورت پڑنے پر خود کی حفاظت کے اہل ثابت ہوں۔ مولانا مدینی نے کہا کہ آج امت سب سے زیادہ داخلی بحران کی شکار ہے، ملک کے موجودہ حالات میں جس طرح مسلمانوں کو تاریکیت کیا جا رہا ہے، اس سے نوجوانوں میں مایوسی، مرعوبیت اور اپنی شاختگم ہونے کا احساس پنپ رہا ہے۔ اس لیے وقت کی سب سے بڑی ضرورت ہے کہ مسلمانوں کو اس سنگین بحران سے نکالا جائے۔ یہ اسی وقت ممکن ہے جب کہ امت کا ہر فرد ایک دوسرے کا معاون بن جائے

# ہمارا مقصد اسے لوگوں کو تیار کرنا ہے جو قوم کے سچے خادم بنیں

اگلے چھ ماہ میں دس ہزار نوجوانوں کو تربیت دے کر تیار کیا جائے گا، جمعیۃ علماء ہند کے زیر اہتمام ہم جمیعیۃ یونیورسٹی کلب تعارفی پروگرام میں مولانا سید محمد مدینی کا اظہار خیال

اظہرنے خوب داد چھین پسول، پچھل کی مفرد اور شاندار پیشکاش دیکھ کر لوگ داتوں تسلی اگیاں دیانتے پر مجبوہ ہو گئے، پچھل کافن دیکھنے کے بعد مولانا مدینے اپنے بھنوں سے افسوس شیڈ اور سر بریٹھ سے نواز۔ اس موقع پر مولانا عبدالقدوس پان پوری تحریکات، مولانا محمد علی کریمی میوات اور مولانا محمد علی کیرات نے بھی اپنی کارکردگی پیش کی۔ مولانا حسین صدیقی نے اپنے صدری خطاب میں تمام شرکاء کا شکریہ ادا کیا۔ خصوصی شرکاء مولانا معز الدین احمد، مولانا تاکیم الدین، فیض آبادی، مولانا عاصل گرجی دامت، حافظ عبید اللہ جیانی، مولانا عاقل گرجی دامت، حافظ عبید اللہ



بخاری، غیر و کام قابل ذکر ہیں۔ پروگرام کے انتقاد میں مولانا سید محمد مدینی، مولانا ظہور الحمدی، سید ذیں احمد، سید احمد علی، مولانا ابراهیم قاسمی، تاکی، تاکری، زبیر الحمدی، چوہڑی صادق، حاجی خداوت، امام اساعل قریشی و دیگر نے خصوصی تعاون کیا۔ اس موقع پر تحریکات، میوات اور مغربی اپر پرنسپل طالوت علیہ السلام کے باشاہ بنانے کا دیکھ کر کیا ہے، ساق افسر بحارت اسکاٹ اینڈ گائیل میڈیس پرنسپل طالوت علیہ السلام کے باشاہ بنانے کا دیکھ کر کیا ہے، وہ اتنا نے اسکاٹ اور جمیع یونیورسٹی کلب پر روشی ذاتے کے جمعیۃ یونیورسٹی کلب اور جمیعۃ علماء کے مقامی دوستی کے ناخنوں نے کہا کہ بھارت اسکاٹ اینڈ گائیل میڈیس پرنسپل طالوت علیہ السلام کے باشاہ بنانے کا دیکھ کر کیا ہے، اس کے بعد میں اپنے بھروسے کا اسکول اور مدرسے کے علاوہ بیان کر کر سکھوں نے کہا کہ عزت حامل کرنے کا ایک کامیاب نتیجہ ہے کہ آپ لوگوں کا دل چھیت، ایک کامیاب نتیجہ ہے کہ آپ لوگوں کا دل چھیت، مدرسے کے پیچے واڑیک بھارت اسکاٹ اینڈ گائیل دارالعلوم دیوبند میں ایک پہلوان رکما جاتا تھا جو نوادر (۳) ڈیوبنی نویلف پر روشی ذاتی دریں ایک پہلوان کی ایجاد کر رہا تھا۔ قبل از اس اپنے اشائے تحریکات، میوات اور مغربی اپر پرنسپل طالوت سے نجات میں مولانا تاکیم الدین قاسمی سکریئری افتتاحی خطاب میں مولانا محمد علیان مخصوص پوری کی دعا پر پروگرام اختتام پذیر ہوا۔

دیوبن میں سیر چوہڑی جمیعۃ علماء ہند کے زیر اہتمام جمیع یونیورسٹی کلب تعارفی پروگرام دیوبن میں اپنے بھروسے کا ایجاد کر رہا تھا۔ میوات اور مغربی اپر پرنسپل میں کیا گیل جس میں کجرات، سیدات اور مغربی اپر پرنسپل سے منتخب ۹۶ طلباء اپنے فن کا شاندار مظاہرہ کیا۔ امیر اپنے مولانا قاری سید محمد عثمان مخصوص پوری کی سرپرستی میں منعقد اس پروگرام کی صورت تحریکات، میوات اپنے خازن مولانا حسین صدیقی نے کی اس موقع پر جمیعۃ علماء ہند کے ہرzel سکریئری مولانا محمد مدینی نے نوجوانوں کو تحریک کے لیے اپنے پاٹھیٹ پر جو یونیورسٹی یونیورسٹی کلب کا تحریک اور خاکہ چھیٹ کیا۔ مولانا محمد مدینی نے اعلان کیا کہ موجودہ پلان کے طبق اگلے چھ ماہ میں اس ہزار نوجوانوں کو اس تعلیم میں شامل کرنا تحریک کرتے ہوئے کہ تیار کیا جائے۔ یہ ایسا ستم ہے جو انسانی بیانار پر کام کرتا ہے، یہ یہ ایسی وقت ملکن ہے جب کہ اس کا ہر فرد ایک کوکڑی شیش کا طریقہ سکھاتا ہے، تاکہ جسمانی اور دوسرے کا معاون بن جائے اور مکان کی لینٹ کی جو فوری ۲۰۱۹ء میں عوامی طور پر ایمن نمائش پیش طرح ایک دوسرے سے منتک ہو جائے، وہ اتنا کریں گے۔ مولانا مادی نے جمیع یونیورسٹی کلب کے مضمون ووجہ کے کوئی بھی خارجی بخراج اس کا بال کے مقاصد پر بھی روشنی دیں اور کہا کہ یہ میں بلکہ تحریکی قدم ہے، ہمارا مقاصد یہ ہے لوگوں کو تحریک کرنے ہے جو قوم کے پیچے خالی بیش اور ضرورت پر پڑے چوہڑی کی خاطرات کے مالٹیپل ہوں۔ مولانا مدینی نے کہا کہ اپنے اندھوچالی، ایمانواری، غم گساری اور دروسوں کی گایا تھا۔ ہمارے دوست ہوں گے اور اہمداد مہینہ میں تین مدد کا داعیہ پیدا کریں۔ اگر کسی قوم میں یہ پیدا ہو آج اہم سب سے زیادہ اونٹی بخراج اس کی قیمت ہے، مدد کا داعیہ پیدا کریں۔ اس کے بعد خادم ملت میں شامل ہوئے اپنے ایسا کی اقلام برلنگی کی ہمات ہے۔ انہوں جا تو یہاں کی اقلام برلنگی کی ہمات ہے۔ ملک کے موجودہ حالات میں جس طریقہ مسلمانوں کو تحریک کرنا ہے، پہلے پانچ سالوں سے نوجوانوں کی ذاتی کا حق دار ہوں گے اور جو لوگ اسکول اور مدرسے میں نہیں ہیں ان کو ہم واڑیک جمیع یونیورسٹی کلب میں وہ میں اپنی تحریک پر کام کریں گے، ہم نے پانچ ہزار



# موجودہ وقت میں امت سب سے زیادہ داخلی بحران کی شکار

## جمعیۃ یوتھ کلب تعارفی پروگرام اور اسکاؤٹنگ کے دوران مولانا محمود مدنی کا خطاب



مولانا محمود مدنی خطاب کرتے ہوئے، فتوو ایم افسر

اسکاؤٹنگ فن کا مظاہرہ کرتے ہوئے۔

کے بچے ڈائریکٹ بھارت اسکاؤٹ اینڈ گائیڈ اکابر بالخصوص حضرت شیخ الاسلام مولانا حسین احمد کریں گے؟ - بہایت اللہ صدقی سابق افسر اپنے ہاتھوں سے ان کو شیڈاً اور سٹیکنٹ سے نوازا جائے۔ یہ ای وقت ممکن ہے جب کہ امت کا ہر فرد ایک دوسرے کا معاون بن جائے کہ مظاہرہ کا انعقاد کیا گیا۔ اس موقع پر جمعیۃ علماء ہند کے زیر انتظام ڈینڈ کے فردوں گارڈن میں جمعیۃ یوتھ کلب تعارفی پروگرام اور اسکاؤٹنگ اور مکان کی ایش کی طرح ایک دوسرے سے شکل ہو جائے، وہ اتنا مضبوط ہو جائے کہ کوئی نوجوانوں کو وابستہ کرنے کے لیے اپنے پالیسی پر جیکٹ جمعیۃ یوتھ کلب کا تعارف اور خاکر نے کہا کہ عزت حاصل کرنے کا ایک کامیاب نہیں ہے کہ اگر لوگوں کا دل جیتن، اپنے اندھچائی، پیش کیا۔ دریں اتنا تین ریاستوں گجرات، میانماری، امگاری اور دوسروں کی مد کا دعیہ پیدا کریں۔ اگر کسی قوم میں یہ پیدا ہو جائے تو یہ اس کی بنا پر بلندی کی ہدایت ہے۔ انہوں نے کہا کہ ہم پچھلے پانچ سالوں سے نوجوانوں کی کمیاں کے مطابق اگلے چھ ماہ میں وہیں پر جو نوجوانوں کی تربیت دے کر تیار کیا جائے گا جو فوری 2019ء میں عمومی طور پر اپنی تماش پیش کریں گے۔ مولانا محمد مدنی نے اس موقع پر یوتھ کلب کے مقاصد پر بھی روشنی ڈالتے ہوئے کہا کہ یہ مقنی نہیں بلکہ تعمیری قدم ہے، ہمارا مقصد ایسے لوگوں کو تیار کرنا ہے جو قوم وطن کے پیچے خامد میں اور ضرورت سکھلاتا ہے، تاکہ جسمانی اور روحی طور سے بہتر درجیں کی تربیت کے بعد خادم ملت میں شامل طریقے سے خدمت انجام دینے کا ہر پیدا کیا جائے۔ مولانا مدنی نے کہا کہ آج امت سب سے زیادہ راہفلی بھرنا کی ہے، ملک کے موجودہ داروں سے کہا کہ بلا تردد اس کام میں لگ پیچھے کلب اور جمعیۃ علماء ہند کے ذمہ دار میں میں شامل کریں گے۔ جمعیۃ علماء ہند ایڈن اور ہمارے پر جیکٹ کو کامیاب ہاں کیں جائیں اور جس طرح مسلمانوں کو نمائش کرتی ہیں ایڈن گائیڈ کے تین بنیادی کام (۱) ڈیوٹی تو گوئے جن کا مقصد دوسروں کو محروم کرنا ہوتا ہے۔ ہم ایڈن گائیڈ کے تین بنیادی کام (۲) ڈیوٹی تو اور اس کے تین بنیادی کام (۳) ڈیوٹی تو سیف پر روشی فراہم مولانا حکیم الدین قاسمی اور نوشاد علی ذالی۔ پھر کافی دیکھنے کے بعد مولانا مدنی نے کہا کہ ہمارے بہت ضروری ہے۔ انہوں نے کہا کہ مظاہرہ اپنے نوجوانوں کی لیافت کا کھلے عام مظاہرہ بھی شامل ہو سکیں گے، تاہم اسکول اور دوسرے پہنچ رہا ہے۔ اس لیے وقت کی سب سے بڑی

# جمعیۃ علماء ہند کے زیر انتظام جمعیۃ یوتحہ کلب تعارفی پروگرام و مظاہرہ منعقد

نوجوانوں میں مایوسی، مرجویت اور اپنی شناخت گم ہونے کا احساس پنپ رہا ہے۔ اس لیے یہ وقت کی سب سے بڑی ضرورت ہے کہ مسلمانوں کو اس عین بحران سے نکلا جائے۔ یہ اسی وقت ملک کے جب کامت کا ہر فرد ایک دوسرے کا معادن بن جائے اور مکان کی اینٹ کی طرح ایک دوسرے سے مشکل ہو جائے، وہ اتنا مضبوط ہو جائے کہ کوئی بھی خارجی بحران اس کا بال بیکان کر سکے۔ اس موقع پر جمعیۃ علماء ہند کے صدر مولانا قاری سید محمد عثمان منصور پوری نے کہا کہ نوجوانوں کی جسمانی تربیت بہت ضروری ہے۔ قرآن مجید میں اللہ تعالیٰ نے جہاں حضرت طاولت علیہ السلام کے باڈشاہ بنانے کا ذکر کیا ہے، وہیں جسم اور علم کو فضیلت اور باڈشاہت کا سبب قرار دیا ہے۔ انہوں نے کہا کہ ہمارے اکابر بالخصوص حضرت شیخ الاسلام مولانا حسین احمد مدینی آخزمیک مدرس چلاتے تھے۔



نوجوانوں کو تربیت دے کر تیار کیا جائے گا جو فرمودی ۲۰۱۹ء میں عوامی طور پر اپنی نمائش پیش کریں گے۔ مولانا مدینی نے کہا کہ یہ منقی نہیں بلکہ تعمیری قدم ہے، ہمارا مقصد ایسے نوجوانوں کو تیار کرتا ہے جو قوم کے سچے خادم ہیں اور ضرورت پڑنے پر خود کی حفاظت کے اہل ثابت ہوں۔ مولانا مدینی نے کہا کہ آج امت سب سے زیادہ داخلی بحران کی شکار ہے، ملک کے موجودہ حالات میں جس طرح مسلمانوں کو نارگیث کیا جا رہا ہے، اس

دیوبند 24/ جولائی (دانیال فیروز خان) دیوبند کے ایک ویکٹ ہال میں جمعیۃ علماء ہند کے زیر انتظام جمعیۃ یوتحہ کلب تعارفی پروگرام و مظاہرہ منعقد ہوا جس کی سرپرستی مولانا قاری سید محمد عثمان منصور پوری اور صدارت جمعیۃ علماء ہند کے خازن مولانا حسیب صدیقی نے کی۔ پروگرام کا افتتاح قاری الحمد للہ کے ترانے سے ہوا، ناقamat کے فرائض مولانا حکیم الدین قاسمی اور نوشاد علی صدیقی نے مشترک طور پر انجام دیئے، مجلس کا آغاز قاری محمد ایوب کی تلاوت کلام پاک سے کیا گیا۔ اس موقع پر جمعیۃ علماء ہند کے جزل سکریٹری مولانا محمود مدینی نے نوجوانوں کے لیے اپنے پابندیات پر وجہ کیتی۔ جمعیۃ یوتحہ کلب، کاتعارف اور خاکہ پیش کیا۔ دریں اتنا تین ریاستوں گجرات، میوات اور مغربی اتر پردیش سے منتخب ۹۶ طلباء نے اپنے فن کا بھی مظاہرہ کیا۔ اس دوران مولانا محمود مدینی نے اعلان کیا کہ موجودہ پلان کے مطابق اگلے چھ ماہ میں وسیلہ

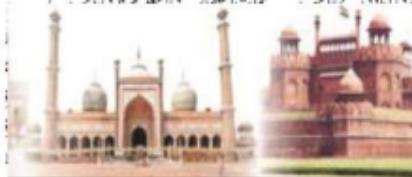
# جمعیۃ العلماء رنجھی ”سوم سینوکال“ کی تربیت شروع کی

## نوجوانوں کو جوڑ نے کیلئے پائیلٹ پروجیکٹ ”جمعیۃ یونہر کلب“ کا تعارف اور خاکہ پیش



دیوبند، 24 جولائی: آج یہاں دیوبند کے

فردوس گارڈن میں جمیع علماء ہند کے زیر انتظام جمیع یونہر کلب تعارفی پروگرام و مظاہرہ منعقد ہوا۔ جس کی سرفرازی امیر الہند مولانا قاری سید محمد عثمان منور پوری اور صادرت مولانا حسیب صدیقی خازن جمیع علماء ہند نے فرمائی۔ اس موقع پر جمیع علماء ہند کے جزل سکریٹری مولانا محمود مدینی نے نوجوانوں کو جوڑنے کے لیے اپنے پائیلٹ پروجیکٹ جمیع یونہر کلب کا تعارف اور خاکہ پیش کیا۔ دریں اشنا تمن ریاستوں گجرات، میورات اور غزنی اور ضلعیں میں مکالمہ کیا۔ اپنے اندر سچائی، ایمان و اداری، غم گزاری اور دوسروں کی مدد کا داعی پیدا کریں اور علم کو فضیلت اور بادشاہت کا سبب قرار دیا۔ اگر کسی قوم میں یہ پیدا ہو جائے تو یہ اس کی بھاد سر بلندی کی خصانت ہے۔ مولانا مدینی نے کہا کہ ہم چھلچل پائیں حالوں سے نوجوانوں کی ذاتی مظاہرہ کیا۔ مولانا محمود مدینی نے اعلان کیا کہ موجودہ بیان کے مطابق اگلے چھ ماہ میں دس ہزار نوجوانوں کو تربیت کرائی ہے۔ اس کے لیے جوڑنے والوں کو تربیت دے کر تیار کیا جائے گا ملک کا تسلیم شدہ ادارہ بھارت اسکاؤٹ اینڈ چینیز کو منتخب کیا ہے، یہ ایسا ٹم ہے جو انسانی بنیاد پر کام کرتا ہے، یہ کوآرڈینیشن کا طریقہ یونہر کلب کے مقاصد پر بھی روشنی ڈالی، انھوں نے کہا کہ یمنی ہیں بلکہ تیری قدم ہے، ہمارا مقصد یہ الوگوں کو تیار کرنا ہے جو قوم کے پچھے خادم نہیں اور ضرورت پڑنے پر خود کی خانقت کے اہل ثابت ہوں۔ مولانا مدینی نے کہا کہ آج داروں سے کہا کہ بلا تروہ داس کام میں لگ جائیں اور ہمارے پروجیکٹ کو کامیاب بنائیں اس سب سے زیادہ دلخیل ہر ان کی شکار ہے، جو اس نے ملک کے موجودہ حالات میں جس طرح جمعیۃ علماء ہند نے جمیع علماء ہند کے دستور و تاریخ نوجوانوں نے جمیع یونہر کلب کے بارے میں بتایا کی روشنی میں اس مشن کا تعارف کرایا اور کہا کہ یہ خدا کے موجودہ حالات میں جس طرح ملک کے اسکول اور مدرسے کے علاوہ دوسروں اور لکھاریوں کو تیار کیا جائیں، مولانا سید محمد مدینی اور مولانا ابرار نجم ہوئے میاں میاں، مرغوبیت اور اپنی شاخت کے پیچے ڈائریکٹ بھارت اسکاؤٹ اینڈ گائیڈ پروجیکٹ ہے۔ حضرت کی شب و روز محنت و توجہ اس موقع پر مولانا عبدالقدوس پاں پوری قسمی و دیگر حضرات کو مبارک باد پیش کی۔



# دیوبند: جمعیتہ یوتھ کلب تعارفی پروگرام اور اس کا وٹنگ کا مظاہرہ



شہر کا شکریہ دیکھا کیا۔ انہوں نے انہوں پر پوچھا  
پوچھا کہ یہ دیکھتے ہے۔ حضرت کی شب درود صحت  
کے کام کا طبق انتظام کاری کے لئے مولانا سید محمد علی،  
تو ایک دو ماہی تاریخی سے آگے بڑھے۔ باشر  
نو تاریخی میں ایک دو ماہی تاریخی کی طبق میاں  
مولانا مولانا مصطفیٰ الحمدی اور مولانا احمد اقبال  
کام (۱) (یونیورسٹی (۲) (یونیورسٹی (۳) (یونی  
تو سیفیت و قوثی الی۔ بچوں کا نیک کھانے کے لئے  
بھری تیڈے اور مگر حضرات کو مہارا پاک ڈھنی کی۔ اس  
موسم پر گھر کا، مناسات اور مطہری اتریڈیں سے  
بچیں کوچک کوچک اور بچوں کا خدا جانہ والیں اور  
پانی پریمیا کو اپنے بچوں کے تھانی دی ریتی میں  
واران بھی کھراتے ہیں۔ اس کی وجہ سے اپنے بچوں کے  
مولانا مولانا مصطفیٰ الحمدی اور مولانا احمد اقبال  
الحمدی کو تھری ہے اور نیز اپنے بچوں کے تھانی دی ریتی  
مولانا مصطفیٰ الحمدی اور مولانا احمد اقبال کے  
مشترک کے طور سے اپنے بچوں کے تھانی دی ریتی  
عینہ اور بچوں کی دعا پر پوچھا کیا۔ اس کا  
حصہ صدقیتی میں اپنے صدر اعلیٰ خطاب میں تاکہ

اکمل اور درست کے تھوڑے تھوڑے اگلے گی تاں  
ہوں گے، جامِ احکام اور درست کے سچے  
واڑیک بھارت اسکافت اینڈ گاؤن پارٹی ویڈیو  
ہوں گے اور اخراج کی وجہ میں تین بیرونی کی تربیت  
کے بعد تھامیں تھامیں ہوئے کافی دار و سو  
لے کے اور جو ایک اکمل اور درست میں ہیں ہیں  
آن کو تمہارے ایک جوچے یقین کلب میں تھامیں کریں  
گے۔ جوچے ملادہ نہ کے مدد امیر اینڈ ہاؤس گاری  
سید محمد جان سعیدی پری پری میں کہ کسی دوست  
تو ہوں گے جسیا تھی تھی تھی تھی تھی تھی تھی تھی  
جسکے دل کا پھر کیا۔ اس کی وجہ میں یہ یاد ہو  
جاتے تو اس کی وجہ میں سر بلندی کی حالت ہے۔  
تو ہوں گے کہ جوچے پاچ ساں میں سے جو اونوں  
کی وجہ میں ایک پری پری پری پری پری پری پری  
کو جوچے کر دیتا کہ تو یہ کہ کہ کہ کہ کہ کہ  
کلب کے تھا صدری گھنی، قوتی اسے کوچے کوچے  
تھی  
کوچہ کوچہ کیا ہے، ایسا سٹمپے جو انسانی پہلو پی  
جاتے تو اس کے قوتوں و مولیں کے قام بیٹھتے اور  
ضورت پڑتے تو جو کی حالت کے لئے ایسا ہے  
اپنے جو اونوں کی یادت کا لکھنے اور مظاہر کریں  
مولانا مولانا مصطفیٰ الحمدی اور مولانا احمد اقبال  
کے تھیں ایسے اپنے تھامی خطاں میں مولانا مصطفیٰ الحمدی  
مولانا احمد اقبال کے طور سے جوچے ملادہ نہ کے  
ذمہ اور اس سے کہ کہ جاتے اس کام تھیں  
چاکیں اور تھارے یہ دیکھتے کو کامیاب ہنا کی  
ہے اسی سے ہوں گے مولیں میں بایہی مرد ہوتے اور اتنی  
شہادت ہے کہ مولیں کو کامیاب کیا جائے اور  
چاکیں اور تھارے کے پار میں جائے اور

# مسلم نوجوانوں کو مایوسی کے سنگین بحران سے نکالا جائے

جمعیۃ علماء ہند کے زیر اہتمام جمعیۃ یوقھ کلب، تعارفی پروگرام و مظاہرہ کا انعقاد، مولانا محمود مدینی نے تعمیری قدم قرار دیا



پوری گجرات، مولانا محمد عاصی کریمی میوات اور مولانا محمد عاقل کیران نے بھی اپنی کارگزاری پیش کی۔ ان کے علاوہ جو شخصیات اسی پر جلوہ افروز تھیں ان میں مولانا معزز الدین احمد، مولانا حکیم اللہ فیض آبادی، مولانا عاصی بنی میٹن، مولانا عاقل گڑھی دولت، حافظ عبد اللہ بخاری وغیرہ کے نام قابل ذکر ہیں۔ مولانا حسیب صدیقی نے اپنے صدارتی خطاب میں تمام شرکاء کا شکریہ ادا کیا۔ انہوں نے بالخصوص پروگرام کا میاپ اختیام کیا اور مولانا سید محمد مدینی، مولانا ظہور الحمد قاسمی، سید ذہین احمد مدینی اور مولانا ابرار حیم قاسمی و دیگر حضرات کو مبارک باد پیش کی۔ اس موقع پر گجرات، میوات اور مغربی اتر پردیش کے عہدیداران اور مظاہرہ کیا۔ مولانا محمود مدینی نے اعلان کیا کہ موجودہ پلان کے مطابق جو اسی وقت ممکن ہے جب کہ امت کا ہر فرد ایک دوسرے کا معاون بن جائے اور مکان کی ایکٹ کی طرح ایک دوسرے سے شلک ہو جائے۔ اسی وقت ممکن ہے جب کہ ایک کامیاب بنا کیسے جائے اور مدد کے بھی خارجی بحران اس کا باہم بیکانہ ہو۔ اتنا مضبوط ہو جائے کہ کوئی بھی خارجی بحران اس کا باہم بیکانہ کر سکے۔ انہوں نے کہا کہ عزت حاصل کرنے کا ایک کامیاب نتیجہ یہ ہے کہ آپ لوگوں کا دل حصیت، اپنے اندر سچائی، ایمانداری، غم گساری اور دوسروں کی مدد کا داعیہ پیدا کریں۔ اگر کسی قوم میں یہ پیدا ہو جائے تو جو فروری 2019ء میں عوامی طور پر اپنی نمائش کریں گے۔ مولانا مدینی نے اس موقع پر یوقھ کلب کے مقاصد پر بھی روشنی ڈالی، انہوں نے یہ اس کی بقا و سر برلنگی کی خاتمت ہے۔ مولانا مدینی نے کہا کہ ہم پچھلے

بے جو قوم کے پچھے خادم ہیں اور ضرورت پڑنے پر خود کی خاتمت کے اہل ثابت ہوں۔ مولانا مدینی نے کہا کہ آج امت سب سے زیادہ داخلی بحران کی شکار ہے، ملک کے موجودہ حالات میں جس طرح مسلمانوں کو ناریگیت کیا جا رہا ہے، اس سے نوجوانوں میں مایوسی، مرغوبیت اور اپنی شاختگم ہونے کا احساس پنپ رہا ہے۔ تاکہ فرمائی۔ اس موقع پر جمعیۃ علماء ہند کے جzel سکریٹری مولانا محمود مدینی نے نوجوانوں کو جوڑنے کے لیے اپنے پائلیٹ پروجیکٹ "جمعیۃ یوقھ کلب" کا تعارف اور خاکہ پیش کیا۔ دریں اتنا تین ریاستوں گجرات، جیسا کہ میوات اور مغربی اتر پردیش سے فتح ۹۲، رہ طبلانے اپنے فن کا بھی مظاہرہ کیا۔ مولانا محمود مدینی نے اعلان کیا کہ موجودہ پلان کے مطابق اگلے چھ ماہ میں دس ہزار نوجوانوں کو تربیت دے کر تیار کیا جائے گا۔ اسی تیاری کی خواص کیا کہ موجودہ پلان کے مطابق بھی موجود تھے۔ آج کے پروگرام میں قاری احمد عبداللہ نے ترانہ پیش کیا، ایک بھارت اسکاؤٹ ایڈنڈگیز سے وابستہ ہوں گے اور اخیرہ مہینہ کر سکے۔ انہوں نے کہا کہ عزت حاصل کرنے کا ایک کامیاب نتیجہ یہ ہے کہ آپ لوگوں کا دل حصیت، اپنے اندر سچائی، ایمانداری، غم گساری اور دوسروں کی مدد کا داعیہ پیدا کریں۔ اگر کسی قوم میں یہ پیدا ہو جائے تو یہ اس کی بقا و سر برلنگی کی خاتمت ہے۔ مولانا مدینی نے کہا کہ ہم پچھلے کہا کہ یہ منیت نہیں بلکہ تعمیری قدم ہے، ہمارا مقصد ایسے لوگوں کو تیار کرنا

# جمعیۃ علماء ہند کے زیر اہتمام جمعیۃ یوچہ کلب تعاریف پروگرام و مظاہرہ منعقد

تین ریاستوں گجرات، میوات اور مغربی اتر پردیش سے منتخب ۹۶ طلبانے اپنے فن کا بھی مظاہرہ کیا

مجلس کا آغاز کا قاری محمد ایوب کی تلاوت سے ہوا۔ مولانا قاری محمد عثمان منصور پوری کی دعاء پر پروگرام اختتام پذیر ہوا۔

روز محنت و توجہ کی بدلت یہ تیزی سے آگے بڑھ رہا ہے۔ ہدایت اللہ صدقیقی سابق افسر بھارت اسکاؤٹ اینڈ گائیڈ مددیہ پر دیش نے اسکاؤٹ اور جمعیۃ یوچہ کلب پر روشنی ڈالتے ہوئے کہا کہ بھارت اسکاؤٹ اینڈ گائیڈ، جمعیۃ یوچہ کلب اور جمعیۃ علماء ہند کر ملک اور قوم کی خدمت کریں گے۔ ماشر نوشاد علی نے اسکاؤٹ اینڈ گائیڈ کے تین بنیادی کام (۱) ڈیوٹی ٹو گوڈ (۲) ڈیوٹی ٹو اوس (۳) ڈیوٹی ٹو سیلف پر روشنی ڈالی۔

بچوں کا فن دیکھنے کے بعد مولانا مدینی نے اپنے ہاتھوں سے ان کو شیلہ اور سرٹیکٹ سے نوازا۔ اس موقع پر مولانا عبدالقدوس پالان پوری گجرات، مولانا محمد عسکری کریم میوات اور مولانا محمد عاقل کیرانہ نے بھی اپنی کارگزاری پیش کی۔ ان کے علاوہ جو شخصیات اشیج پر جلوہ افروز تھیں ان میں مولانا معز الدین احمد، مولانا حکیم اللہ فیض آبادی، مولانا منتی بنیامن، مولانا عاقل گزہی دوست، حافظ عبداللہ بناres وغیرہ کے نام قابل ذکر ہیں۔ مولانا حسیب صدقیقی نے اپنے صدارتی خطاب میں تمام شرکاء کا شکریہ ادا کیا۔ انھوں نے بالخصوص پروگرام کے کامیاب انتظام کے لیے مولانا سید محمد علی اور مولانا ابراہیم قاسمی، سید ذہین احمد مدینی، مولانا ظہور احمد قاسمی، سید ذہین احمد مدینی اور مولانا ابراہیم قاسمی و دیگر حضرات کو مبارک باد پیش کی۔ اس موقع پر گجرات، میوات اور مغربی اتر پردیش سے جمعیۃ یوچہ کلب اور جمعیۃ علماء کے مقامی و ریاستی ذمہ داران بھی موجود تھے۔ آج کے پروگرام میں قاری احمد عبداللہ نے ترانہ پیش کیا، نظمات کے فراکٹ مولانا حکیم الدین قاسمی اور نوشاد علی صدقیقی نے مشترک طور سے انجام دیے،



بنا نے کا ذکر کیا جائے۔ مولانا مدینی نے جمعیۃ فضیلات اور بادشاہت کا سبب قرار دیا ہے۔ انھوں نے کہا کہ ہمارے اکابر بالخصوص اس کام میں لگ جائیں اور ہمارے حضرت شیخ الاسلام مولانا حسین احمد مدینی اُخزر تک مگر چلاتے تھے، ہمارے زمانہ جمعیۃ یوچہ کلب کے بارے میں بتایا کہ طالب علمی میں دارالعلوم دیوبند میں ایک اسکول اور مدرسے کے علاوہ دوسرے لوگ بھی شامل ہو سکیں گے، تاہم اسکول اور کرواتا تھا۔ انھوں نے کہا کہ آج کے درسے کے پچھے ڈائریکٹ بھارت حالات میں کچھ جماعتیں کھلے عام آتشیں اسکاؤٹ اینڈ گائیڈ سے وابستہ ہوں گے اور اخادرہ مہینہ میں تین درجوں کی تربیت دوسروں کو مرعوب کرنا ہوتا ہے۔ ہم بھی ملک کے بعد "خادم ملت" میں شامل ہونے کا حق دار ہوں گے اور جو لوگ اسکول اور مدرسے نے تو جو انوں کی ڈینی و جسمانی تربیت پر کام کر رہے ہیں، ہم نے پانچ ہزار طلباں کی تربیت کرائی ہے۔ اس کے لیے ملک کا تشیم شدہ ادارہ بھارت اسکاؤٹ اینڈ گائیڈ کو منتخب کیا ہے، یہ ایسا شامم ہے جو انسانی بیناد پر کام کرتا ہے، یہ کوارڈی نیشن کا طریقہ سکھلاتا ہے، تاکہ جسمانی اور روحانی طور پر احساس پنپ رہا ہے۔ اس لیے یہ وقت کی سب سے بڑی ضرورت ہے کہ مسلمانوں کو اس تکمیل گجرات سے نکالا جائے۔ یہ ای وقت ممکن ہے جب کہ امت کا ہر فرد

ہنر پیدا کیا جائے۔ مولانا مدینی نے جمعیۃ علماء ہند کے ذمہ داروں سے کہا کہ بلا تردد مسلک ہو جائے، وہ اتنا مضبوط ہو جائے کہ کوئی بھی خارجی بحران اس کا باال بیکانہ کر سکے۔ انھوں نے کہا کہ عزت حاصل کرنے کا ایک کامیاب نتھی یہ ہے کہ آپ اسکوں کا دل جیتیں، اپنے اندر سچائی، ایمانداری، غم گساری اور دوسروں کی مدد کا داعیہ پیدا کریں۔ اگر کسی قوم میں یہ پیدا ہو جائے تو یہ اس کی تباہ سبلندی کی شہادت ہے۔ مولانا مدینی نے کہا کہ ہم پچھلے پانچ سالوں سے نوجوانوں کی ڈینی و جسمانی تربیت پر کام کر رہے ہیں، ہم نے پانچ ہزار طلباں کی تربیت کرائی ہے۔ اس کے لیے ملک کا تشیم شدہ ادارہ بھارت اسکاؤٹ اینڈ گائیڈ کو منتخب کیا ہے، یہ ایسا شامم ہے جو انسانی بیناد پر کام کرتا ہے، یہ کوارڈی نیشن کا طریقہ سکھلاتا ہے، تاکہ جسمانی اور روحانی طور پر بہتر طریقے سے خدمت انجام دینے کا

دیوبند - (پی۔ آر) آج یہاں دیوبند کے فردوس گارڈن میں جمعیۃ علماء ہند کے زیر اہتمام جمعیۃ یوچہ کلب تعاریف پروگرام و مظاہرہ منعقد ہوا، جس کی سرپرستی امیر الہند مولانا قاری سید محمد عثمان منصور پوری اور صدارت مولانا حسیب صدقیقی خازن جمعیۃ علماء ہند نے فرمائی۔ اس موقع پر جمعیۃ علماء ہند کے جزل سکریٹری مولانا محمود مدینی نے نوجوانوں کو جوڑنے کے لیے اپنے پائلیٹ پروجیکٹ "جمعیۃ یوچہ کلب" کا تعارف اور خاکہ پیش کیا۔ دریں اثنا تین ریاستوں گجرات، میوات اور مغربی اتر پردیش سے منتخب ۹۶ طلبانے اپنے فن کا بھی مظاہرہ کیا۔ مولانا محمود مدینی نے اعلان کیا کہ موجودہ پلان کے مطابق اگلے چھ ماہ میں دس ہزار نوجوانوں کو تربیت دے کر تیار کیا جائے گا جوفروی ۲۰۱۹ میں عوامی طور پر اپنی نمائش پیش کریں گے۔ مولانا مدینی نے اس موقع پر یوچہ کلب کے مقاصد پر بھی روشنی ڈالی، انھوں نے کہا کہ یہ منقی نہیں بلکہ تعمیری قدم ہے، ہمارا مقصد ایسے لوگوں کو تیار کرنا ہے جو قوم کے پچ خادم ہیں اور ضرورت پڑنے پر خود کی حفاظت کے اہل ثابت ہوں۔ مولانا مدینی نے کہا کہ آج امت سب سے زیادہ داخلی بحران کی شکار ہے، ملک کے موجودہ حالات میں جس طرح مسلمانوں کو ٹارگیٹ کیا جا رہا ہے، اس سے نوجوانوں میں مایوسی، مرعوبیت اور اپنی شاختگم ہونے کا احساس پنپ رہا ہے۔ اس لیے یہ وقت کی سب سے بڑی ضرورت ہے کہ مسلمانوں کو اس تکمیل گجرات سے نکالا جائے۔

# دہلی حمادرا سماج

روزنامہ  
दैनिक हमारा समाज दिल्ली

## پوچھ کلب کا قیام منفی نہیں، تعمیری قدم ہے: مولانا محمود مدینی

جمعیۃ علماء ہند کے زیر اہتمام دیوبند کے فردوس گارڈن میں جمعیۃ پوچھ کلب تعارفی پروگرام اور اس کا ڈنگ کے مظاہرہ کا انعقاد

ملک کے موجودہ حالات میں جس طرح مسلمانوں کو تاریخی کیا جا رہا ہے، اس سے نوجوانوں میں مایوسی، معنویت اور اپنی شناختگی ہونے کا حساس پنپ رہا ہے۔ اس لیے یہ وقت کی سب سے بڑی ضرورت ہے کہ مسلمانوں کو اس علیین بحران سے نکالا جائے۔ یہ اسی وقت ممکن ہے جب کہ امت کا ہر فرد ایک دوسرے کا معاون بن جائے اور مکان کی اینٹ کی طرح ایک دوسرے سے ملک ہو جائے، وہ اتنا مفبوط ہو جائے کہ کوئی بھی خارجی بحران اس کا بال بیکانہ کر سکے۔ انہوں نے کہا کہ عزت حاصل کرنے کا ایک کامیاب سنجی ہے کہ آپ لوگوں کو تیار کرنا ہے جو قوم وطن کے سچے خادم محمود مدینی نے اس موقع پر پوچھ کلب کے بنیں اور ضرورت پڑنے پر خود کی حفاظت کے مقاصد پر بھی روشنی ڈالتے ہوئے کہا کہ یہ منفی اہل ثابت ہوں۔ مولانا مدینی نے کہا کہ آج نہیں بلکہ تعمیری قدم ہے، ہمارا مقصد ایسے امت سب سے زیادہ داخلی بحران کی شکار ہے، پیدا کریں۔.....(باتی صفحہ: 7 پر)



رضوان سلمانی دیوبند، 4 جولائی، سماج نیوز سروس: جمعیۃ علماء ہند کے زیر اہتمام آج یہاں دیوبند کے فردوس گارڈن میں جمعیۃ پوچھ کلب تعارفی پروگرام اور اس کا ڈنگ کے مظاہرہ کا انعقاد کیا گیا۔ اس موقع پر جمعیۃ علماء ہند کے جنرل سکریٹری مولانا محمود مدینی نے نوجوانوں کو وابستہ کرنے کیلئے اپنے پائیلیٹ پروجیکٹ 'جمعیۃ پوچھ کلب' کا تعارف اور خاکہ پیش کیا۔ دریں اشائین ریاستوں گجرات، میوات اور مغربی اتر پردیش سے منتخب تقریباً 100 طلباء اپنے فن کا مظاہرہ کیا۔ اس دوران مولانا محمود احمد مدینی نے اعلان کیا کہ مجوزہ پلان کے مطابق اگلے چھ ماہ میں دس ہزار نوجوانوں کو تربیت دے کر تیار کیا جائے گا جو فروری 2019 میں

بقیہ: پوچھ کلب کا قیام منفی نہیں بلکہ تعمیری قدم ہے: مولانا محمود مدینی .....

... اگر کسی قوم میں یہ پیدا ہو جائے تو یہ اس کی بقا و سبلندی کی صفات ہے۔ انہوں نے کہا کہ ہم پچھلے پانچ سالوں سے نوجوانوں کی ذہنی وجسمانی تربیت پر کام کر رہے ہیں، ہم نے اب تک پانچ ہزار طباء کی تربیت کرائی ہے۔ اس کے لیے ملک کا تسلیم شدہ ادارہ بھارت اسکاؤٹ اینڈ گائیڈ کوفتح کیا ہے، یہ ایسا اسم ہے جو انسانی بیاناد پر کام کرتا ہے، یہ کوارڈی نیشن کا طریقہ سکھلاتا ہے، تاکہ جسمانی اور ذہنی طور سے بہتر طریقے سے خدمت انجام دینے کا ہر پیدا کیا جائے۔ مولانا مدینی نے جمعیۃ علماء ہند کے ذمہ داروں سے کہا کہ بلا تردد اس کام میں لگ جائیں اور ہمارے پروجیکٹ کو کامیاب بنائیں۔ انہوں نے جمعیۃ پوچھ کلب کے بارے میں بتایا کہ اسکوں اور مرد سے کے علاوہ دوسرے لوگ بھی شامل ہو سکیں گے، تاہم اسکوں اور مرد سے کے سچے ڈائریکٹ بھارت اسکاؤٹ اینڈ گائیڈ سے وابستہ ہوں گے اور اٹھارہ مہینے میں تین درجوں کی تربیت کے بعد خادم ملت میں شامل ہونے کا حق دار ہوں گے اور جو لوگ اسکوں اور مرد سے میں نہیں ہیں ان کو ہم ڈائریکٹ جمعیۃ پوچھ کلب میں شامل کریں گے۔ جمعیۃ علماء ہند کے صدر امیر الہند مولانا قاری سید محمد عثمان منصور پوری نے کہا کہ اس وقت نوجوانوں کی جسمانی تربیت بہت ضروری ہے۔ انہوں نے کہا کہ ہمارے اکابر بالخصوص حضرت شیخ الاسلام مولانا حسین احمد مدینی آخیر مرتب مکر رچلاتے تھے، ہمارے زمانہ طالب علمی میں دارالعلوم دیوبند میں ایک پہلوان رکھا جاتا تھا جو لاکوں کو جسمانی ورزش کرواتا تھا۔ انہوں نے کہا کہ آج کے حالات میں کچھ جماعتیں کھلے عام آتشی اسلووں کی نمائش کرتی ہیں، جن کا مقدمہ دوسروں کو مرموم کرنا ہوتا ہے۔ ہم بھی ملک کے قانون کے دائروں میں رہتے ہوئے اپنے نوجوانوں کی لیاقت کا کھلے عالم کرتی ہیں، قبل ازیں اپنے افتتاحی خطاب میں مولانا حکیم الدین قاسمی سکریٹری جمعیۃ علماء ہند نے جمعیۃ علماء ہند کے وسترو تاریخ کی روشنی میں اس مشن کا تعارف کرایا اور کہا کہ یہ حضرت ناظم عوی جمعیۃ علماء ہند کا پائیلٹ پروجیکٹ ہے۔ حضرت کی شب و روز مختت تو جی کی بدولت یہ تیزی سے آگے بڑھ رہا ہے۔ بدایت اللہ صدیقی سابق افسر بھارت اسکاؤٹ اینڈ گائیڈ مدینی پر دیش نے اسکاؤٹ اور جمعیۃ پوچھ کلب پر روشنی ڈالتے ہوئے کہا کہ بھارت اسکاؤٹ اینڈ گائیڈ، جمعیۃ پوچھ کلب اور جمعیۃ علماء ہند کل کوں کی خدمت کریں گے۔ مائن تو شادی نے اسکاؤٹ اینڈ گائیڈ کے تین بنیادی کام (۱) ڈیوٹی ٹو گوڈ (۲) ڈیوٹی ٹو اورس (۳) ڈیوٹی ٹو سیلف پر روشنی ڈالی۔ پچھوں کا فن دیکھنے کے بعد مولانا مدینی نے اپنے پاتحوں سے ان کو شیلڈ اور سرٹیفیکٹ سے نوازا۔ اس موقع پر مولانا عبد القدوں یالن پوری گجرات، مولانا محمد سعیید کریم میوات اور مولانا محمد عافیل کیرانہ نے بھی اپنی کارگزاری پیش کی۔ مولانا معزز الدین احمد، مولانا تکیم اللہ فیض آیادی، مولانا منفیت بنیامین، مولانا عاقل گڑھی دویت، حافظ عبید اللہ بنارس وغیرہ کے نام قابل ذکر ہیں۔ مولانا حسین صدیقی نے اپنے صدارتی خطاب میں تمام شرکاء کا شکریہ ادا کیا۔ انہوں نے بالخصوص پروگرام کے کامیاب انتظام کے لیے مولانا سید محمد مدینی، مولانا ظہور احمد قاسمی، سید ذہین احمد اور مولانا ابراہیم قاسمی، عسیر عثمانی، چودھری صادق، اشیعیل قریشی، قاری سلیم و دیگر حضرات کو مبارک باد پیش کی۔ اس موقع پر گجرات، میوات اور مغربی اتر پردیش سے جمعیۃ پوچھ کلب اور جمعیۃ علماء کے مقامی اور یا تی ذمہ داران بھی موجود تھے۔ آج کے پروگرام میں قاری احمد عبداللہ نے ترانہ پیش کیا، نظامت کے فرائض مولانا حکیم الدین قاسمی اور نوشادی علی صدیقی نے مشترک طور سے انجام دیے، مجلس کا آغاز کا قاری محمد ایوب کی تلاوت سے ہوا۔ مولانا قاری محمد عثمان منصور پوری کی دعاء پر پروگرام اختتام پذیر ہوا۔

# روزنامہ راشٹریہ ساحرا

ROZNAMA RASHTRIYA SAHARA NEW DELHI

Simultaneously from New Delhi, Lucknow, Gorakhpur, Mumbai, Hyderabad, Kolkata, Patna, Kanpur & Bangalore  
25-07-2018 | 11 ذی قعده 1439ء بده (ستی) قیمت: Rs.3.00 | صفحات 12 (یعنی مکمل سچ) | حب الوطنی | فرض شناسی | ایشاد 2018

## جمعیۃ لیوٹھ کلب تعارفی پروگرام اور اس کا وٹنگ کا مظاہرہ مسلمانوں کو سنگین بحران سے نکالنا وقت کی ضرورت: مولانا محمود مدینی



بعد مولانا مدینی نے اپنے ہاتھوں سے ان کو  
شیلڈ اور سر شیکیٹ سے نوازا۔ اس موقع پر  
مولانا عبدالقدوس پالن پوری گجرات، مولانا  
محمد بھیجی کریمی میوات اور مولانا محمد عاقل  
کیرانہ نے بھی اپنی کارگزاری پیش کی۔

ان کے علاوہ جو شخصیات اشیخ پر جلوہ  
افروز تھیں ان میں مولانا معز الدین احمد،  
مولانا کلیم اللہ فیض آبادی، مولانا مفتی بنیامین،  
مولانا عاقل گڑھی دولت، حافظ عبد اللہ بخاری  
وغیرہ کے نام قبل ذکر ہیں۔ مولانا حسیب  
صدیقی نے اپنے صدارتی خطاب میں تمام  
شرکاء کا شکریہ ادا کیا۔

انھوں نے بالخصوص پروگرام کے  
کامیاب انتظام کے لیے مولانا سید محمد مدینی،  
مولانا ظہور احمد قاسمی، سید ذہین احمد مدینی اور  
مولانا ابراہیم قاسمی، عمر عثمانی، چودھری  
صادق، اسمعیل قریشی، قاری سلیمان و دیگر  
حضرات کو مبارک باد پیش کی۔ آج کے  
پروگرام میں قاری احمد عبد اللہ نے ترانہ پیش کیا  
، نظامت کے فرائض مولانا حکیم الدین قاسمی  
اور نوشاد علی صدیقی نے مشترک طور سے انجام  
دیے، مجلس کا آغاز کا قاری محمد ایوب کی تلاوت  
سے ہوا۔ مولانا قاری محمد عثمان منصور پوری کی  
دعای پروگرام اختتام پذیر ہوا۔

نے کہا کہ نوجوانوں کی جسمانی تربیت بہت  
ضروری ہے۔ انھوں نے کہا کہ ہمارے اکابر  
بالخصوص حضرت شیخ الاسلام مولانا حسین احمد  
مدینی آخر عمر تک مگر چلاتے تھے، ہمارے  
زمانہ طالب علمی میں دارالعلوم دیوبند میں ایک  
پہلوان رکھا جاتا تھا جو لڑکوں کو جسمانی ورزش  
کرواتا تھا۔ انھوں نے کہا کہ آج کے حالات  
میں کچھ جماعتیں کھلے عام آتشیں اسلحوں کی  
نمایش کرتی ہیں، جن کا مقصد دوسروں کو  
مرعوب کرنا ہوتا ہے۔ ہم بھی ملک کے قانون  
کے دائرہ میں رہتے ہوئے اپنے نوجوانوں کی  
لیاقت کا کھلے عام مظاہرہ کریں گے۔

قبل از اپنے افتتاحی خطاب میں مولانا  
حکیم الدین قاسمی سکریٹری جمعیۃ علماء ہند نے  
جمعیۃ علماء ہند کے وستور و تاریخ کی روشنی میں  
اس مشن کا تعارف کرایا۔ ہدایت اللہ صدیقی  
سابق افسر بھارت اسکاؤٹ اینڈ گائیڈ مدھیہ  
پروڈیش نے اسکاؤٹ اور جمعیۃ لیوٹھ کلب پر  
روشنی ڈالتے ہوئے کہ بھارت اسکاؤٹ  
اینڈ گائڈ، جمعیۃ لیوٹھ کلب اور جمعیۃ علماء ہند میں  
کرملک اور قوم کی خدمت کریں گے۔ ماضی  
نوشاد علی نے اسکاؤٹ اینڈ گائڈ کے 3 بنیادی  
کام ڈیوٹی ٹو گود، ڈیوٹی ٹو اور ڈیوٹی ٹو  
سیلف پر روشنی ڈالی۔ بچوں کا فن دیکھنے کے

اس لیے یہ وقت کی سب سے بڑی ضرورت  
ہے کہ مسلمانوں کو اس سنگین بحران سے نکالا  
جائے۔ یہ اسی وقت ممکن ہے جب کہ امت کا  
ہر فرد ایک دوسرے کا معاون بن جائے  
اور مکان کی ایسٹ کی طرح ایک دوسرے سے  
نسک ہو جائے، وہ اتنا مضبوط ہو جائے کہ  
کوئی بھی خارجی بحران اس کا باہ بیکانہ  
کر سکے۔ انھوں نے کہا کہ عزت حاصل  
کرنے کا ایک کامیاب نتھے یہ ہے کہ آپ  
لوگوں کا دل جیتیں، اپنے اندر سچائی، ایمان و اداری  
، غم گساری اور دوسروں کی مدد کا داعیہ پیدا  
کریں۔ اگر کسی قوم میں یہ پیدا ہو جائے تو یہ  
نمایش پیش کریں گے۔

مولانا محمود مدینی نے اس موقع پر یوٹھ  
کلب کے مقاصد پر بھی روشنی ڈالی، انھوں  
نے کہا کہ یہ منفی نہیں بلکہ تعمیری قدم ہے، ہمارا  
مقصد ایسے لوگوں کو تیار کرنا ہے جو قوم وطن  
کے سچے خادم ہیں اور ضرورت پڑنے پر خود کی  
حافظت کے اہل ثابت ہوں۔ مولانا مدینی نے  
کہا کہ آج امت سب سے زیادہ داخلی بحران  
کی شکار ہے، ملک کے موجودہ حالات میں  
جس طرح مسلمانوں کو نارگیٹ کیا جا رہا ہے،  
اس سے نوجوانوں میں مایوسی، مرعوبیت اور  
اپنی شاختگم ہونے کا احساس پہنچ رہا ہے